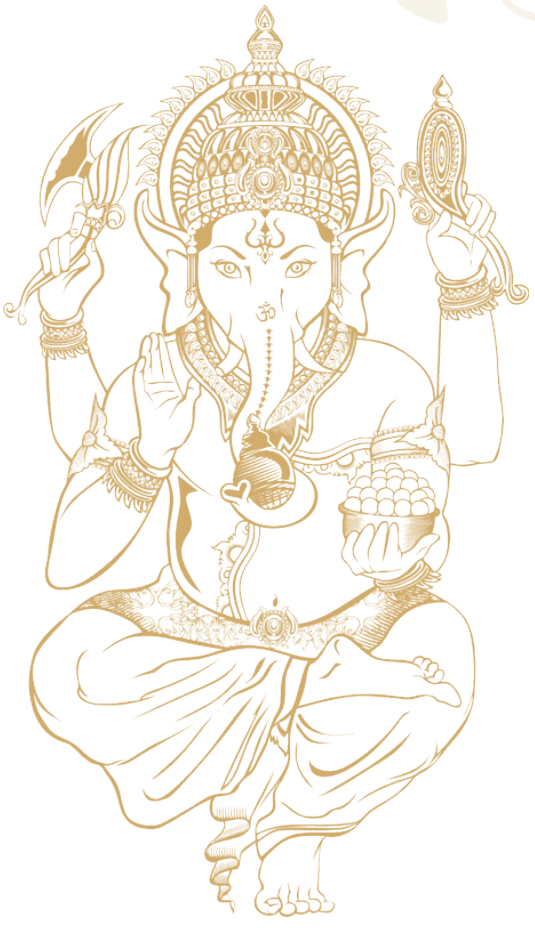

Mr.kshitiz

Ms.Riya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119462605

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/06/1996	जन्म तिथि	09/04/1999
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 15:50:00	जन्म समय	21:20:00 घंटे
घटी 26:04:29	जन्म समय(घटी)	38:30:10 घटी
India	देश	India
Jabalpur	स्थान	Jabalpur
23:10:00 उत्तर	अक्षांश	23:10:00 उत्तर
79:57:00 पूर्व	रेखांश	79:57:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:10:12	स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:24:12	सूर्योदय	05:55:56
18:56:49	सूर्यास्त	18:28:22
23:48:31	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:37

विंशोत्तरी चन्द्र 8वर्ष 11मा 17दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 3वर्ष 8मा 28दि
राहु	19:36:18	तुला	लग्न	वृश्चि	04:26:56	राहु
01/06/2012	29:49:22	वृष	सूर्य	मीन	25:30:16	06/01/2020
01/06/2030	11:22:56	वृष	चंद्र	मक	01:40:50	06/01/2038
राहु 12/02/2015	07:29:28	वृष	मंगल व	तुला	15:18:06	राहु 18/09/2022
गुरु 08/07/2017	06:48:06	वृष	बुध	कुंभ	29:16:49	गुरु 11/02/2025
शनि 14/05/2020	21:24:17	धनु व	गुरु	मीन	19:15:44	शनि 19/12/2027
बुध 01/12/2022	23:55:21	वृष व	शुक्र	वृष	02:45:02	बुध 07/07/2030
केतु 19/12/2023	12:36:28	मीन	शनि	मेष	10:39:02	केतु 26/07/2031
शुक्र 19/12/2026	21:00:27	कन्या व	राहु	कर्क	26:21:58	शुक्र 25/07/2034
सूर्य 13/11/2027	21:00:27	मीन व	केतु	मक	26:21:58	सूर्य 19/06/2035
चन्द्र 14/05/2029	10:15:08	मक व	हर्ष	मक	22:13:38	चन्द्र 18/12/2036
मंगल 01/06/2030	03:25:02	मक व	नेप	मक	10:19:15	मंगल 06/01/2038
	07:19:25	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	16:27:23	

लग्न-चलित

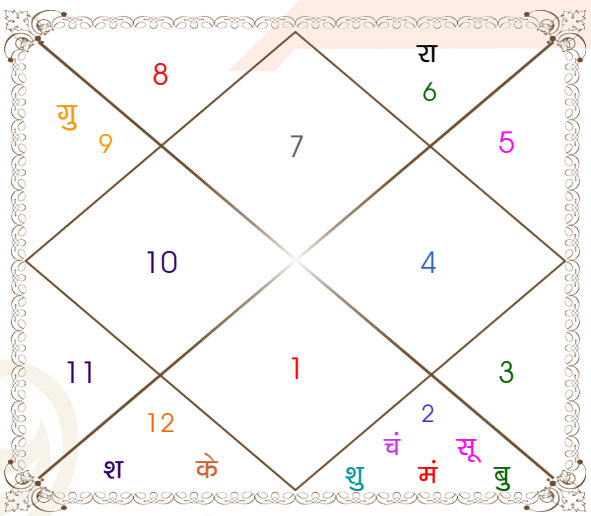

लग्न-चलित

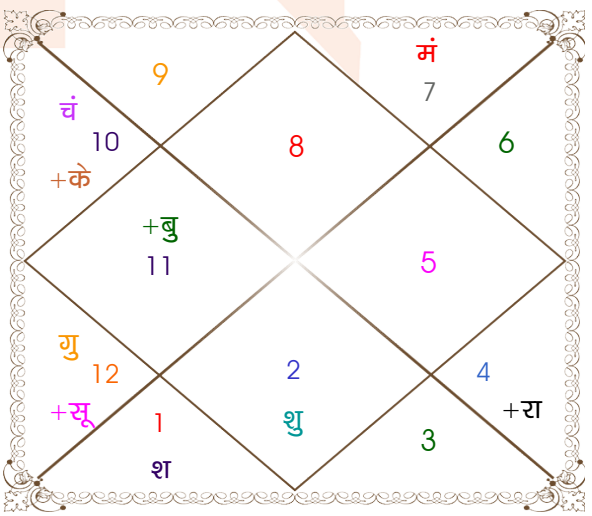

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	नकुल	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.kshitiz का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.kshitiz का वर्ग गरूड़ है तथा डेण्टपलं का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.kshitiz और डेण्टपलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.kshitiz मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.kshitiz कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्टपलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं

होता है।

क्योंकि मंगल डेण्टपलं कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्टपलं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.kshitiz कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.kshitiz कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.kshitiz तथा डेण्टपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।